

मदाम क्यूरी

सैडलबक, हिंदी : विदूषक

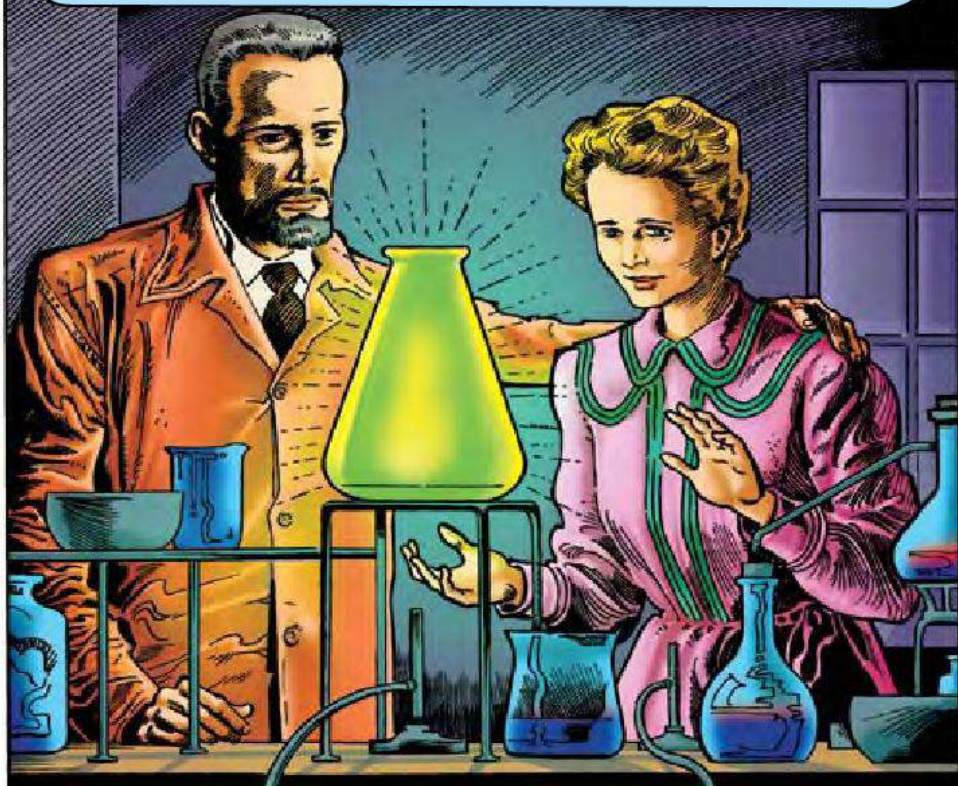


मदाम क्यूरी





1902 की मई में, पेरिस में मेरी और पियरे क्यूरी उस शेड में गए जहाँ मेरी ने कई साल बहुत मेहनत की थी। उस अँधेरे में उन्हें एक सुन्दर हल्की रोशनी नज़र आई। किसी ने उसे पहले कभी नहीं देखा था। वो **रेडियम** था, जो चमक रहा था।



रेडियम की खोज करने वाली मेरी क्यूरी - सबसे पहली महान महिला वैज्ञानिक थीं। वो **दो नोबल पुरस्कार** जीतने वाली पहली इंसान थीं। उन्होंने दुनिया को विज्ञान की एक नई शाखा भेंट की और मेडिकल इलाज का एक नया तरीका सिखाया।

उन्होंने **मार्या**
स्कलोदोव्सका के नाम
से वॉरसाँ में अपनी
ज़िन्दगी शुरू की।

प्यारे बच्चों, माँ ने तुम्हें
अभी एक नायाब भेंट दी है -
एक छोटी बहन **मार्या**।

हम उसे कब
देख सकेंगे?



मार्या के पिता
प्रोफेसर
स्कलोडोव्सका
फिजिक्स पढ़ाते थे।
जब वो छोटी थी
तब से ही मार्या को
अपने पिता के
उपकरण देखने का
शौक था।

तुम अजीब बच्ची हो!
क्या तुम्हें मेरे फिजिक्स
के उपकरण पसंद हैं?

फिजिक्स के
उप-क-र-ण, हाँ!



मार्या कभी कुछ भूलती नहीं थी।
जो कुछ उसने देखा कभी वो उसका
इस्तेमाल भी करेगी।

वॉरसाँ, पोलैंड का वो
हिस्सा था जिसपर रूस
राज्य करता था। वहां
पर रूसी भाषा का
उपयोग अनिवार्य था।
वहां पोलिश इतिहास
और साहित्य पढ़ने पर
पाबन्दी थी।

पर कुछ देशभक्त टीचर उन विषयों को छुपके-छुपके
पढ़ाते थे। मार्या, सीखने वालों में एक थी

स्तानिस्लास ऑगस्टस
के बारे में बताओ?

1764 में वो पोलैंड का राजा
चुना गया। वो बहुत पढ़ा-लिखा
और होशियार था।



यह क्लास पोलिश भाषा में
पोलैंड का इतिहास पढ़ रहा था।
उस समय वो एक जुर्म था!

अचानक से घंटी बजी.
पूरा क्लास सहम गया.



सिग्नल! जल्दी
लड़कियाँ!

चार लड़कियों ने दौड़कर सारी पुस्तकें
और कागज़ इकट्ठे किए.



फिर वे जल्दी से
उन्हें एक दूसरे
कमरे में ले गईं.



जल्दी से कढ़ाई का
काम निकालो!

जैसे ही क्लास का
दरवाज़ा खुला, लड़कियाँ
अपनी सीट पर बैठ गईं.
क्लास में प्रिंसिपल आई.
उनके साथ रशियन
इंस्पेक्टर भी था.



यह कढ़ाई का क्लास है. जब
लड़कियाँ अपना काम कर रही
होती हैं तब मैं उन्हें रूसी परी
कथाएं पढ़कर सुनाती हूँ.

ठीक है!

इंस्पेक्टर ने एक डेस्क को खोलकर देखा. उसे कुछ नहीं मिला.



मैं एक छात्र से कुछ सवाल पूछना चाहता हूँ.

ज़रूर, मार्या स्कलोडोव्सका कृपाकर खड़ी हो जाओ.



मार्या प्रार्थना कर रही थी कि उससे कुछ नहीं पूछा जाए. पर हर बार उसी से पूछा जाता था. वो बहुत सुन्दर रशियन बोलती थी. वो क्लास की सबसे होशियार और सबसे कम उम्र की छात्र थी.

मार्या ने इंस्पेक्टर के कई प्रश्नों का बिल्कुल सही और सटीक जवाब दिया.

कैथरीन के बाद के रूसी राजाओं के नाम बताओ? शाही परिवार के सभी सदस्यों के नाम बताओ?

पॉल-प्रथम, एलेगज़ेंडर-प्रथम, निकोलस-प्रथम, महारानी, महाराजा ...



कुछ समय बाद प्रोफेसर स्कलोडोव्सका को एक कम वेतन वाली नौकरी दी गई. मार्या ने अपनी बड़ी बहिन ब्रोन्या से उसके बारे में चर्चा की.

मुझे हाई-स्कूल में पढ़ने के लिए एक स्कालरशिप मिला है. क्या मैं वहां जाऊँ? वो एक रशियन स्कूल है. रशियन हमारे कट्टर दुश्मन हैं.

तुम्हें बिल्कुल जाना चाहिए!



रशियन हमें अनपढ़ रखना चाहते हैं. हमें खद सबकुछ सीखने की कोशिश करनी चाहिए! क्योंकि तुम इतनी होशियार हो, तुम्हें तो हर चीज़ सीखनी ही चाहिए!



उसके बाद मार्या
हाई-स्कूल गई. 1883 में
उसने स्कूल पास किया.



उस साल गोल्ड-मैडल
सबसे अच्छी छात्र
मार्या स्कलोडोव्सका
को मिला!

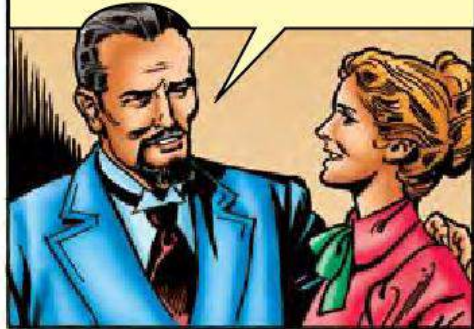
पिता यह सुनकर बहुत खुश हुए.

पूरे देश भर में हमारे
बहुत से रिश्तेदार हैं.
तुम अगले पूरे साल
उनके पास जाकर मज़ा
कर सकती हो!

पापा मझे
नौकरी
करनी है!

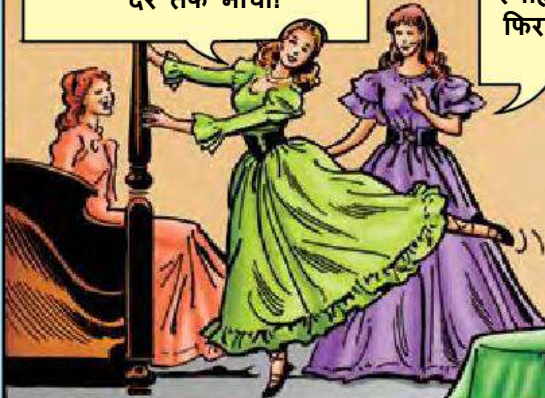


अभी तुम सिर्फ 15 साल की हो.
तुमने बहुत मेहनत की है.
अब कुछ मज़ा करो!



फिर मार्या
अपने रिश्तेदारों
से मिलने गई.
उन्होंने उसे
बहुत अच्छी
चीज़ें खाने को
दीं. उन्होंने उसे
घुड़सवारी
सिखाई. उसके
भाई-बहिन उसे
पार्टियों में ले
गए.

देखो! आज रात मैं बहुत
देर तक नाची!



देखो, जल्दी एक
त्यौहार आने वाला है.
फिर दो दिन और दो
रात नाचना!



फिर त्यौहार
आया.
तब लड़कियां
रंग-बिरंगे
कपड़े
पहनकर
स्लेज में
बैठीं. उनके
रखवाले
साथ-साथ
घोड़ों पर
चले.



हम कहाँ जा
रहे हैं?

हर जगह! यह एक
जादुई यात्रा है!

वो स्लेज में एक-गाँव से दूसरे
गाँव गए. उनके आगे-आगे
संगीतकार थे. वे लगातार संगीत
की धुनें बजा रहे थे.



बीच-बीच में वे किसी
बड़े घर में रुकते. वहाँ
बड़े थाल में उन्हें खाने
को दिया जाता और
फिर सब मिलकर
नाचते.

यह तो बहुत मज़ेदार है!
यह कितनी देर चलेगा?

एक दिन,
एक रात और!



अंत में त्यौहार खत्म हुआ. उसके साथ
मार्या की मज़ेदार छुट्टियाँ भी खत्म हुईं.
उस सितम्बर को वो वापिस वाँरसाँ लौटी.

मैं नौकरी करूंगी,
जिससे मैं तुम्हारी
डाक्टरी की पढ़ाई
में मदद कर सकूँ.

तुम बहुत नेक दिल
हो. पर तुम कैसे
कैसे कमाओगी?



मैंने यह कार्ड छाप कर रखे हैं.
गणित, ज्यामिति, फ्रेंच में
ट्यूशन एक डिप्लोमा हासिल
युवा लड़की द्वारा.



कम लोगों को ही ट्यूशन की ज़रूरत थी. और जिन्हें
ज़रूरत थी उन्होंने मार्या से बहुत काम करवाया.

मेरे बेटे को एक टीचर
की ज़रूरत है, पर तुम्हारी
उम्र बहुत कम है.



मेरे बेटे को पढ़ना
सीखना चाहिए. पर वो
यह करना नहीं चाहता.



नहीं,
मुझे नहीं
पढ़ना!

मैं अपने पति से तुम्हारा
वेतन लेना भूल गई.
अगले हफ्ते मैं तुम्हें
ज़रूर पैसे दे दूँगी.



बिचारी मार्या, कठोर मौसम में पूरे
वाँरसाँ का चक्कर काटती रहती.
वो कठिन मेहनत के बावजूद बहुत
कम ही कमा पाती.

अगर मैं गाँव में किसी घर में गवर्नेस की नौकरी करूँ तो ज्यादा पैसे मिलेंगे. तब मैं मदद कर सकूँगी.

तुम गाँव में रहोगी? पापा से दूर? तुम मेरे लिए ऐसा कुछ मत करना?

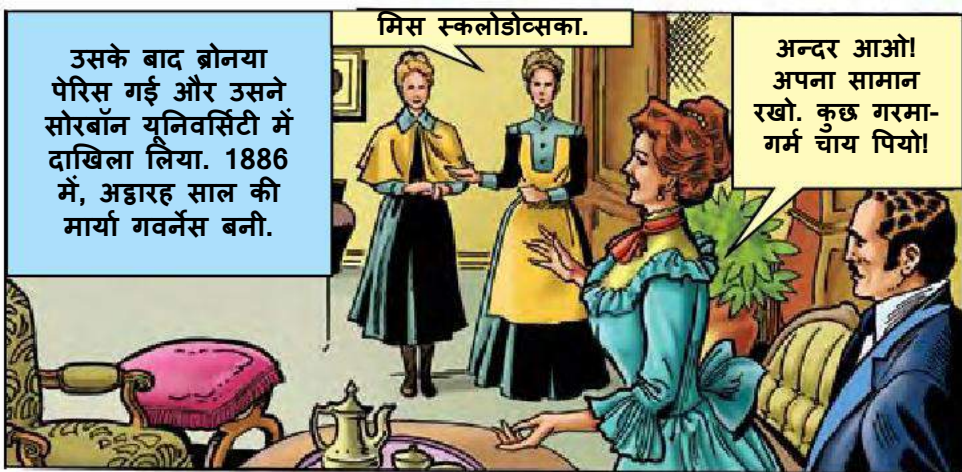
देखो ब्रोनया, तुम मुझसे बड़ी हो. तुम कब से इंतज़ार कर रही हो! डॉक्टर बनने के बाद तुम मेरी मदद करना!



उसके बाद ब्रोनया पेरिस गई और उसने सोरबॉन यूनिवर्सिटी में दाखिला लिया. 1886 में, अठारह साल की मार्या गवर्नेस बनी.

मिस स्कलोडोव्सका.

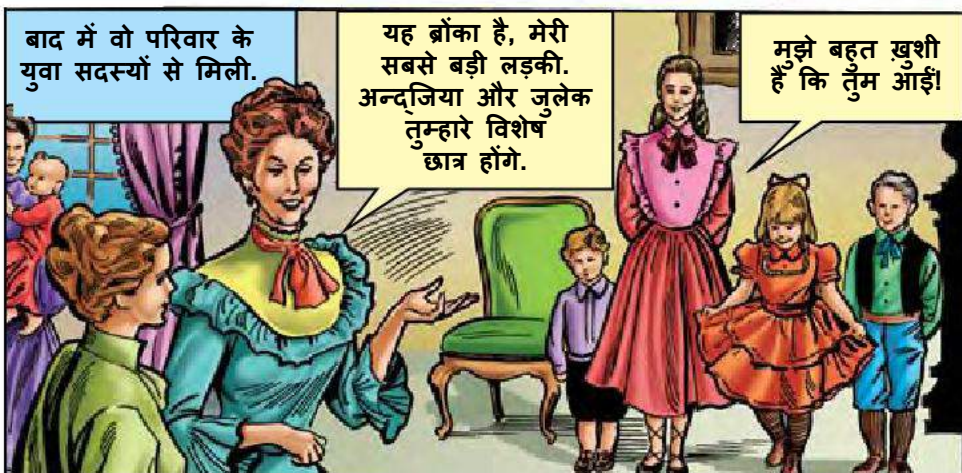
अन्दर आओ!
अपना सामान रखो. कुछ गरमा-गर्म चाय पियो!



बाद में वो परिवार के युवा सदस्यों से मिली.

यह ब्रोंका है, मेरी सबसे बड़ी लड़की. अन्ड्रिया और जुलेक तुम्हारे विशेष छात्र होंगे.

मुझे बहुत खुशी है कि तुम आई!



वो परिवार काफी दोस्ताना था. मार्या को वहां अच्छा लगा. फिर परिवार का बड़ा बेटा कज़िमिएर्ज़ छुट्टियों में घर वापिस आया.



मैंने आजतक तुम जैसे कोई लड़की नहीं देखी. तुम सुन्दर नाचती हो, घुड़सवारी करती हो और नाव भी चलाती हो. तुम्हारा दिमाग कितना तेज़ है!

मार्या मैं तुमसे प्रेम करता हूँ. क्या तुम मुझ से शादी करोगी?



हाँ, मैं भी तुमसे प्रेम करती हूँ.

खुशी-खुशी कज़िमिएर्ज़ अपने माता-पिता से विवाह की स्वीकृति मांगने गया.

तुम मेरे बेटे और वारिस! उस नौकरानी से शादी करना चाहते हो? कभी नहीं!

कज़िमिएर्ज़, तुम पगला गए हो! तुम पड़ोस की सबसे सुन्दर लड़की से शादी कर सकते हो!



छुट्टियों के बाद कज़िमिएर्ज़ स्कूल लौट गया. मार्या बच्चों को पढ़ाती रही. उसके बाद दुबारा कभी शादी का ज़िक्र नहीं हुआ.



मैं यहीं काम करूंगी क्योंकि ब्रोनया को पैसों की ज़रूरत है. मैं प्रेम को भुलाकर अब पढ़ाई में पूरा मन लगाऊंगी.

तीन साल तक मार्या अपने छात्रों को पढ़ाती रही. खाली समय में वो आगे की पढ़ाई करती. उसे फिजिक्स, गणित और केमिस्ट्री की जो भी किताबें मिलतीं वो उन्हें बड़ी लगन से पढ़ती. जब वो बिल्कुल हताश हो गई, तो फिर एक दिन एक उम्मीद की किरण जगी.

पापा को अब अच्छी नौकरी मिली है. वो अब ब्रोनया को पैसे भेज सकते हैं. अब मैं अपनी कमाई, खुद के लिए बचाऊंगी.



वसंत में एक और खुशखबरी आई.



ब्रोनया अपनी पढ़ाई खत्म करने वाली थी और वो एक युवा डॉक्टर से शादी कर रही थी. वो दोनों चाहते हैं कि मैं उनके पास सोरबॉन में रहकर ही पढ़ूं!

पर अब बहुत देर हो चुकी है. मैं कितनी बेवकूफ हूँ. अब बहुत साल बीत चुके हैं.

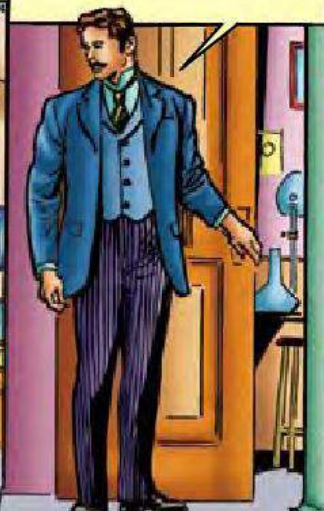


पर अब वो वॉरसॉ वापिस लौट सकती थी. उसे वहां एक परिवार में दूसरी नौकरी मिली. अब वो पिताजी से अक्सर मिलती. शाम वो अपने भाई-बहनों के साथ बिताती.

इंडस्ट्री और कृषि म्यूजियम! यह नाम तो बड़ा जोरदार है!



यह नाम सिर्फ रूसियों को बेवकूफ बनाने के लिए है! उसके पीछे एक प्रयोगशाला छिपी है!



उस प्रयोगशाला में युवा पोलिश छात्र विज्ञान सीख सकते हैं. तुम भी वहां पढ़ सकती हो!

प्रयोगशाला! वहां पर मैं वैज्ञानिक उपकरणों का उपयोग सीख सकती हूँ.



आगे क्या करना हैं वो मार्या को पता था. वो अपना हर मिनट प्रयोगशाला में बिताती. वो एक-एक पैसा बचाती. अंत में उसने ब्रोन्या को लिखा कि अब वो पेरिस आएगी.

यह पैसे मेरे पासपोर्ट, टिकट और पढ़ाई के लिए हैं. पिताजी आपका धन्यवाद!

मैं इसमें कुछ पैसे और जोड़ सकता हूँ.



जिस दिन मार्या जाने को थी.

मैंने अपना बिस्तरबंद और संदूक भेज दिया है. यह कुर्सी, टेन के लिए है. साथ में रजाई, खाना और कुछ किताबें भी.

मैं जल्द ही आपके पास रहने के लिए वापिस आऊंगी.

बेटी मेहनत से पढ़ना! आशीर्वाद!



तीन दिनों बाद मार्या पेरिस पहुंची.
वहां वो सीधे ब्रोनया के घर गई.
ब्रोनया अपने पति कासिमिर दलुसकी
के साथ रहती थी.

अच्छा है,
तुम यहाँ हो!

स्वागत है
छोटी बहन!



यह रहा तुम्हारा
कमरा. छोटा है
पर शांत है.

क्या मैं पहले
सोरबॉन देखकर
आ सकती हूँ?



बहन से पूछकर मार्या एक
डबल-डेक्कर बस में बैठी.

फ्रांस में हवा कितनी
मुक्त है. लोग भी
मुक्त हैं. यहाँ पर
रशियन जासूस नहीं
हैं!



अंत में उसे जो चाहिए था, वो दिखा.



सोरबॉन में लड़कियों को पढ़ने
की आज़ादी थी.
मैं भी यहीं पढ़ूंगी.

मार्या अन्दर आफिस में गई. उसने कोर्स के लिए अपनी फीस जमा की.

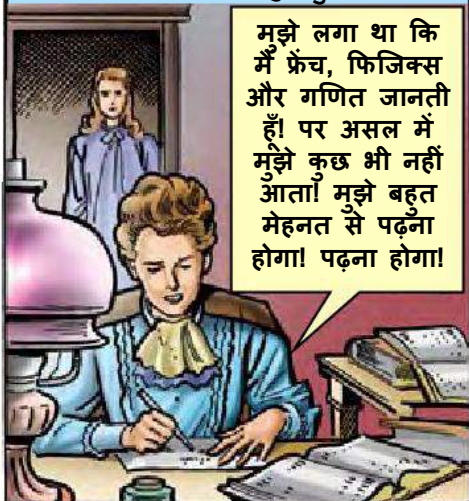
तुम्हारा नाम?

मार्या, नहीं मेरी स्कलोडोव्सका. अब से मैं फ्रेंच वर्तनी इस्तेमाल करूंगी.



फिर क्लासेज शुरू हुए.

मुझे लगा था कि मैं फ्रेंच, फिजिक्स और गणित जानती हूँ। पर असल में मुझे कुछ भी नहीं आता! मुझे बहुत मेहनत से पढ़ना होगा! पढ़ना होगा!



पर बहन के घर में बाधाएं आती थीं. कभी लोग पियानो बजाने आने, कभी पार्टियां होतीं.



तब किसी को नहीं पता था कि इग्नेसी पाडेरविस्की एक दिन दुनिया का सबसे महान पियानो वादक बनेगा और मुक्त पोलैंड में लीडर बनेगा.

कुछ समय बाद....

मैं सोरबॉन के पास कोई सस्ती जगह ढूँढ़ूंगी. उससे आने-जाने के दो घंटे और बस का किराया भी बचेगा.

पर तुम्हें घर भाड़ा और खाना खर्च करना होगा. तुम्हारे पास इसके लिए पैसे नहीं होंगे!



पर मेरी अपनी जिद्द पर अड़ी रही।
फिर वो एक किराए की बरसाती में शिफ्ट हुईं। वहां सिर्फ एक लालटेन थी, गर्मी के लिए एक स्टोव था। उसे एक मटके में नीचे से पानी भर कर ऊपर लाना पड़ता था।

मार्या वहां रात 2 बजे तक पढ़ती थी, और फिर सुबह 6 बजे दुबारा पढ़ाई शुरू कर देती थीं।



वो अक्सर भोजन करना भूल जाती थीं। धीरे-धीरे वो पतली और बीमार हुईं। एक दिन वो सीढ़ियों पर बेहोश हो गईं। फिर एक मित्र कासिमिर दलुसकी को बुलाकर लाया।

मार्या तुम्हें यह क्या हुआ?

मार्या भूखी रह रही थी। इसलिए कमज़ोर हो गई है। उसे आराम करने दो और अच्छा खाना खिलाओ!



पर मार्या को पढ़ने से कोई नहीं रोक सकता था।
फाइनल परीक्षा के बाद रिजल्ट निकला।

मेरिट-लिस्ट में मदाम मेरी स्कलोडोव्सका का नाम सबसे ऊपर था!



गर्मियों में कुछ महीने बिताने के बाद वो दुबारा पेरिस लौटीं. अब उसे एक अच्छा स्कालरशिप मिला था. अब पैसों की कोई किल्लत नहीं थी.

जल्द ही उसने एक मित्र को अपनी एक समस्या बताई.

मुझे खुद शोध कार्य करने का एक मौका मिला है. पर मुझे अच्छे उपकरणों वाली कोई बड़ी प्रयोगशाला उपलब्ध नहीं है.

मैं अपने एक मित्र से बात करूंगा. शायद उसके पास कोई बड़ा कमरा हो जिसका तुम उपयोग कर सको.



शायद तुम उसे जानती भी हो -
पियरे क्यूरी.

हाँ बिल्कुल! वो एक अच्छे वैज्ञानिक हैं - और फिजिक्स और केमिस्ट्री की प्रयोगशालाओं के हेड हैं. शायद मेरे छोटे प्रयोगों में उनकी कोई रुचि नहीं हो!



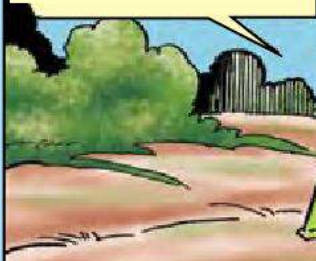
अगले दिन मेरी को पियरे क्यूरी से मिलने के लिए ज़बरदस्ती बुलाया गया.

पियरे क्यूरी, मैं चाहता हूँ तुम मेरी स्कलोडोव्सका से मिलो.



उसके बाद से पियरे और मेरी जितना संभव होता उतनी बार मिलते. पियरे को, मेरी के प्रेम हो गया. इससे पहले कि मेरी पोलैंड वापिस जाएँ उन्होंने मेरी के सामने शादी का प्रस्ताव रखा.

देखो पियरे, बहुत पहले मैंने साइंस को, शादी से ज्यादा अहमियत देने की ठानी थी!



मैंने भी यही सोचा था! पर मुझे ऐसी लड़की कभी नहीं मिली जो विज्ञान को अपना आदर्श माने!



मुझे जाकर पापा की देखभाल करनी चाहिए और अपने देश में जाकर पढ़ाना चाहिए.

पर पोलैंड में तुम पढ़ाई नहीं कर पाओगी. तुम्हें अपना काम जारी रखना चाहिए.



फिर मेरी, पियरे को छोड़ कर पिता की देखभाल करने वॉरसाँ गई.

जब पतझड़ में मेरी वापिस लौटी तो फिर से पियरे ने शादी की बात उठाई. अंत में मेरी ने स्वीकार किया कि वो पियरे से प्रेम करती थी.

हमलोग मेरे माता-पिता के घर पर शादी करेंगे. वो लोग तुम्हें बहुत प्यार करते हैं.

वो मुझे अपने परिवार की याद दिलाते हैं.



26 जुलाई 1895 को उनका विवाह हुआ. वे दोनों नई साइकिलों पर उन स्थानों पर गए जहाँ उनके रिश्तेदार रहते थे. दोस्तों ने उनसे अलविदा कहा.

वो मेरे पियरे के साथ खुश रहेगी. इस दुनिया में उस जैसा कोई दूसरा नहीं है!

तुम्हें बेटी जैसी अच्छी और प्यारी मेरी मिली है!



पेरिस लौटने के बाद मेरी ने एक कुक-बुक खरीदी और उसने ब्रोनया को मदद के लिए बुलाया. उसने खुद को भखा रखा था पर वो पियरे को अच्छा खाना खिलाना चाहती थी.

तुम बनाती हो तो कितना अच्छा बनता है. मेरा खाना एकदम बेकार बनता है.

तुमने पहले घर-गृहस्थी का काम नहीं किया है. तुम जल्दी सीख जाओगी!



सितम्बर 1897 को एक बेटी का जन्म हुआ. उन्होंने उसका नाम **आयरीन** रखा.

कितनी सुन्दर बच्ची है!

हाँ, बिल्कुल ठीक. वो बेहद सुन्दर है!



मेरी, अभी भी रोजाना आठ घंटे के लिए प्रयोगशाला जाती थी. वो बच्ची को एक नर्स के पास छोड़कर जाती थी.

कृपा, उसे साफ हवा और धूप के लिए पार्क में ले जाओ?

ठीक है मदाम!



शाम के समय मेरी और पियरे पढ़ाई करते थे.

हमने बेकव्यूरेल की किरणों की बात की जो **यूरेनियम** से निकलती हैं. मैं चाहता हूँ तुम मालूम करो कि वो किरणें कहाँ से निकलती हैं!

बहुत अच्छा आईडिया! बेहद महत्वपूर्ण!

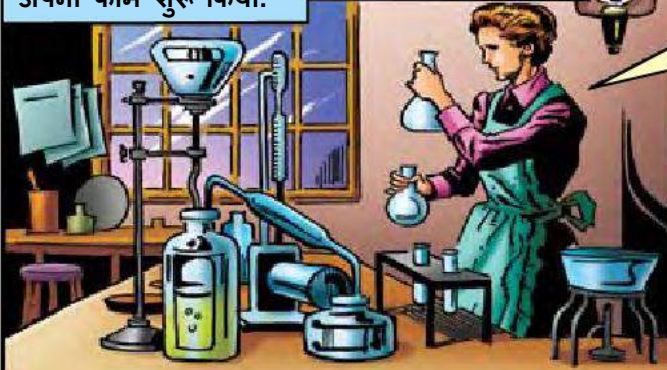


मुझे काम करने के लिए एक कमरा चाहिए जहाँ मैं तमाम सैंपल टेस्ट कर सकूँ!



मैं डायरेक्टर से बात करूंगा. ज़रूर कोई कमरा होगा जिसे तुम प्रयोग कर सको!

मेरी को एक कांच से घिरा कमरा मिला.
वहां ठंड और सीलन थी. पर उसने वहां तुरंत
अपना काम शुरू किया.



मुझे पता है कि
विकीरण की शक्ति
सैंपल में यूरेनियम की
मात्रा पर निर्भर करती
है. ऊष्मा और प्रकाश
का उस पर कोई प्रभाव
नहीं पड़ता है. विकीरण
कहाँ से आता है? क्या
किसी अन्य धातु में भी
वैसा विकीरण होता है?

मेरी को अन्य रासायनिक तत्वों के सैंपल
भी मिले. उसने उनका भी परीक्षण किया.

पियरे आज मैंने पता
करा कि **थोरियम** में
भी यूरेनियम जैसी ही
किरणें निकलती हैं.

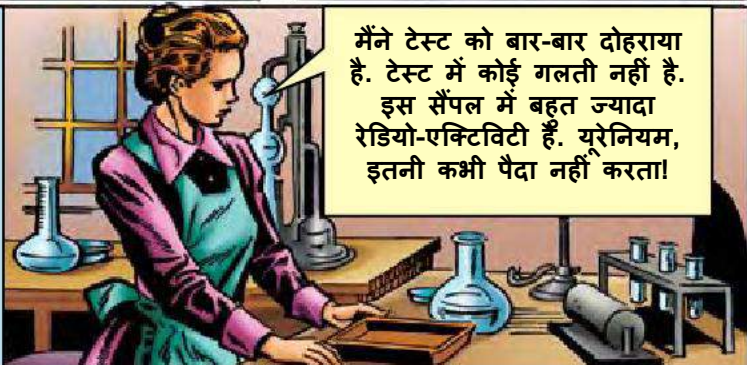
तुम सच्ची
वैज्ञानिक
हो!



हम विकीरण को **“रेडियो-एक्टिविटी”** बुला
सकते हैं? जिन तत्वों से किरणें निकलती
हैं उन्हें **“रेडियोएक्टिव”** बुला सकते हैं?



फिर मेरी ने
कुछ टेस्ट
करके सैंपलों
में रेडियो-
एक्टिविटी की
मात्रा ज्ञात की.
नतीजों से उसे
आश्चर्य हुआ.



मैंने टेस्ट को बार-बार दोहराया
है. टेस्ट में कोई गलती नहीं है.
इस सैंपल में बहुत ज्यादा
रेडियो-एक्टिविटी है. यूरेनियम,
इतनी कभी पैदा नहीं करता!

मेरी ने अपने रिजल्ट पियरे को बताए.

पियरे इसका मतलब है, कि इस सैंपल में कोई ऐसा अनजान तत्व है जो यह शक्तिशाली विकीरण पैदा कर रहा है! यह कोई नया तत्व (एलिमेंट) होगा!



मैं तुम्हें जानता हूँ, मेरी. टेस्ट में तुमने कोई गलती नहीं की होगी. तुमने एक बहुत महत्वपूर्ण खोज की है!

ऐसा होगा तो मैं उसे अपने देश पर "पॉलोनियम" नाम दूँगी?



मेरी के काम के महत्व को देखते हुए, पियरे अपना काम छोड़कर मेरी की मदद करने लगा. उन्हें जल्दी ही पता लगा कि उस यूरेनियम के सैंपल में दो अनजान नए तत्व (एलेमेंट्स) थे.

उनमें से दूसरा, पहले वाले से कहीं अधिक शक्तिशाली होगा. दूसरे वाले को हम "रेडियम" नाम देंगे.

पहले उसे खोजो, फिर तुम जो चाहो नाम देना!



क्यूरी दंपति को इन नए "रेडियोएक्टिव" तत्वों के कई उपयोग पता थे. पर दूसरे वैज्ञानिक उनपर तभी विश्वास करते जब वो उन्हें देख पाते, तोल पाते, छू पाते.

तुम्हारी खोज वैज्ञानिकों की पुरानी मान्यताओं को ध्वस्त करेगी.

फिर हमें अपनी खोज की पुष्टि के लिए शुद्ध रेडियम खोजना पड़ेगा!



मेरी को नए तत्व **“पिचब्लेंड”** अयस्क में मिले थे. पर नए तत्वों की मात्रा इतनी कम थी कि सही प्रमाण पेश करने के लिए उन्हें कई टन **“पिचब्लेंड”** की ज़रूरत थी.

हम उसे कैसे खरीदेंगे? और उसे शुद्ध करने के लिए हमें कमरा कहाँ मिलेगा?

खदानों में यूरेनियम, कांच बनाने के लिए निकाला जाता है. फिर बाकी अयस्क फेंक दिया जाता है. हम उस फेंके अयस्क को बहुत सस्ते दाम में खरीद सकते हैं!

काम करने के लिए किसी ने हमें यह पुराना शेड दिया है!

छत टूटी है, फर्श नहीं है, ठंड है. फिर भी हम उसे इस्तेमाल करेंगे!



एक मित्र ने मदद की. अब क्यूरी दम्पति सिर्फ ट्रांसपोर्ट भाड़ा देकर **“पिचब्लेंड”** मंगा सकता था. अंत में **“पिचब्लेंड”** का पहला ट्रक आया!

“पिचब्लेंड” आ गया!!

जैसे किसी बच्चे को जन्मदिन का उपहार मिला हो!



उसके बाद मेरी, सिंगल महिला फैक्ट्री बन गई. वो अब शेड में ज्यादा काम करती, प्रयोगशाला में कम.

नए तत्व को खोजने के लिए मुझे **“पिचब्लेंड”** के एक पहाड़ को शुद्ध करना पड़ेगा!



चार साल तक वो यह शोधकार्य करते रहे. पियरे साथ-साथ पढ़ाने का काम भी करता. मेरी भी खर्च चलाने के लिए ट्यूशन लेती थी.

फिर मई 1902 की शाम आई. माँ की मृत्यु के बाद पियरे के पिताजी उनके साथ रहने के लिए आए थे.

पिताजी, मेरी आपको एक ज़रूरी बात बताना चाहती है!

हम सफल रहे! हम रेडियम को शुद्ध कर पाए!



उस रात जब आयरीन सो रही थी तो क्यूरी दंपत्ति पुराने शेड में गए. उस अँधेरे में उन्हें एक सुन्दर प्रकाश दिखा! उसे किसी ने पहले कभी नहीं देखा था. वो यूरेनियम की चमक थी!



अभी लालटेन मत जलाओ! बस देखो! कितनी सुन्दर चमक है!

अब आधिकारिक रूप से रेडियम का पता चल चुका था. डॉक्टर्स ने उसे कैंसर के इलाज के लिए उपयुक्त पाया. पर मेरी ने जितना रेडियम शुद्ध किया था, वो एक छोटे चम्मच में आसानी से समा सकता था!

अमरीका में एक कंपनी "पिचब्लेंड" से रेडियम बनाने को इच्छुक है. क्या हम उन्हें बताएं? या फिर हम इस रहस्य को पेटेंट करें और उसे बेंचें?

जानकारी को बेंचना, लोगों से छिपाना, विज्ञान के उसूल के खिलाफ है!



पियरे ने सहमति जताई. क्यूरी दंपत्ति ने अपनी खोजों से कभी कुछ धन नहीं कमाया.

जून 1903 में मेरी को अपने शोधकार्य के लिए **डॉक्टरेट** की उपाधि मिली।

मदाम, समस्त जूरी की ओर से मैं आपको हार्दिक बधाई देना चाहता हूँ!



रॉयल सोसाइटी, लन्दन ने पियरे को लेक्चर देने के लिए बुलाया और उसे **"डेवी" मंडल** दिया।

रॉयल सोसाइटी में भाग लेने वाली आप पहली महिला हैं. यह आपकी प्रसिद्धि का प्रमाण है!

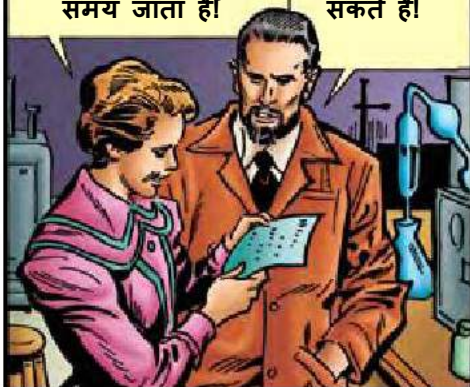
मुझे ख्याति नहीं चाहिए! उसमें बहुत वक्त बरबाद होता है.



दिसम्बर में **नोबल पुरस्कार** का ऐलान हुआ. हेनरी बेकव्यूरेल और क्यूरी दंपति को **नोबल पुरस्कार** मिला.

अरे पियरे, 70,000 फ्रैंक! अब तुम पढ़ाने की नौकरी छोड़ दो. उसमें तुम्हारा बहुत समय जाता है!

अब हम एक लैब-असिस्टेंट भी रख सकते हैं!



1904 में पियरे को सोरबॉन में फिजिक्स का प्रोफेसर बनाया गया. क्यूरी दंपति के दूसरी लड़की पैदा हुई.

कितनी सुन्दर है छोटी बहन - **ईव**?

हाँ! बिल्कुल गड़ियाँ जैसी है.



1906 में क्यूरी दंपति ने ईस्टर छुट्टियों में एक कोटेज किराए पर लिया। वो उनके लिए एक खुशी का समय था।

तुम्हारे साथ मेरी ज़िन्दगी बहुत सुखद बीती है, मेरी।



घर वापिस आने के एक दिन बाद बारिश हुई। फिर मेरी बाज़ार से सामान खरीद कर वापिस लौटी। उसे दो पुराने दोस्त दिखे। उनके चेहरे देखकर वो डर गई।

मेरी, पियरे सड़क पार कर रहा था, तभी के भारी घोड़ा-गाड़ी आकर उससे टकराई। पियरे फिसला और वहीं मर गया।



पियरे मर गया? वो नहीं रहा? सच में?

मेरी उनके साथ-साथ बाग में गई।



मैंने पियरे से कहा था कि हम दोनों एक-दूसरे के बिना नहीं रह पाएंगे।



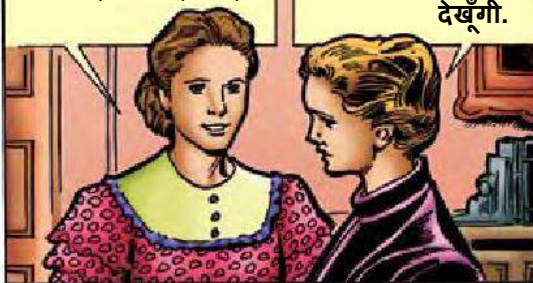
तब पियरे ने कहा था, “तुम गलत कह रही हो! अगर हम में से कोई अकेला रह जाए, फिर भी हमें अपना काम जारी रखना चाहिए।” मैं कोशिश करूंगी।



जल्द ही मेरी को सोरबॉन में वो प्रोफेसरशिप मिली जहाँ कभी पियरे था।

फ्रांस में इतनी ऊँची नौकरी पाने वाली आप पहली महिला हैं!

मैं पियरे का काम जारी रखूंगी और बच्चों को भी देखूंगी।



नवम्बर 5 को, हाल ऑफ साइंस, छात्रों, रिपोर्टर्स और आम जनता से खचाखच भरा था. मदाम क्यूरी अपना पहला भाषण दे रही थीं. वो अन्दर हाल में घुसी. श्रोताओं की ओर झुकी और फिर उन्होंने बोलना शुरू किया.

अगर हम पिछले 10 सालों में फिजिक्स में हुई प्रगति पर नज़र डालें ...

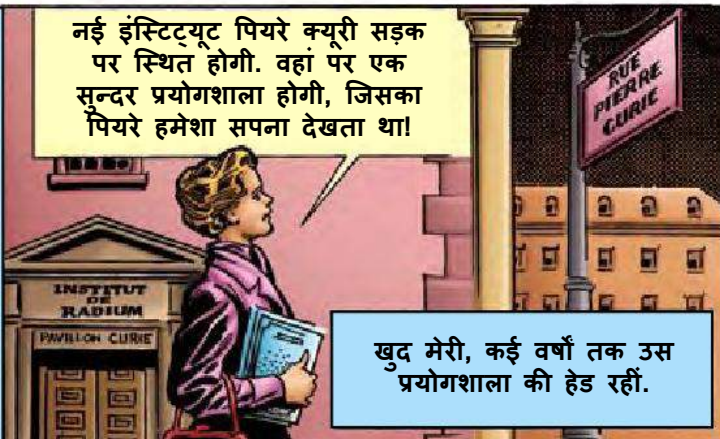


मेरी ने अपना लेक्चर वहाँ से शुरू किया, जहाँ पर पियरे ने खत्म किया था.



मदाम क्यूरी को बहुत से पुरस्कार मिले जिनमें 1911 का नोबल पुरस्कार भी शामिल था. पेरिस में एक नई **रेडियम इंस्टिट्यूट** स्थापित हो रही थी. वो उसके काम में भी व्यस्त थीं.

नई इंस्टिट्यूट पियरे क्यूरी सड़क पर स्थित होगी. वहाँ पर एक सुन्दर प्रयोगशाला होगी, जिसका पियरे हमेशा सपना देखता था!



खुद मेरी, कई वर्षों तक उस प्रयोगशाला की हेड रहीं.

1921 में मेरी, ईव और आयरीन के साथ अमरीका गईं. वहां पर वाइट-हाउस में **प्रेसिडेंट हार्डिंग** ने उन्हें 1-ग्राम रेडियम भेंट दिया. उसे आम अमरीकी महिलायों द्वारा इकठ्ठे चंदे से खरीदा गया था.



बाद में आयरीन और उसका पति फ्रेडरिक जोलियो, ने क्यूरी दंपत्ति का काम आगे जारी रखा.

1935 में **कत्रिम रेडियोएक्टिविटी** की खोज के लिए उन्हें भी **नोबल पुरस्कार** मिला.



वो दोनों अच्छा बोले. अब यह प्रयोगशाला पुराने समय की याद दिलाती है!



मेरी क्यूरी का 1934 में ल्यूकीमिया से देहांत हुआ. रेडियम के साथ बरसों तक काम करने के कारण उन्हें खून का कैंसर हो गया था. बाद में मेरी क्यूरी के काम के आधार पर ही वैज्ञानिकों ने एटॉमिक-युग का निर्माण किया.

मृत्यु के एक वर्ष बाद रेडियोएक्टिविटी पर उनकी पुस्तक छपी.

समाप्त

